ANNEXURE- 1

Newspaper cuttings with coverage of the actions taken by SAIL- BSL to control theft and losses

1) **Dainik Bhaskar, Dhanbad- 26th Dec., 2015**

बीएसएल का अवैध बिजली कनेक्शन काटो अभियान

मुफ्त की बिजली लेने वालों और पुलिस के बीच टकराव

सिटी रिपोर्टर | बोकारो

बीएसएल के नगर सेवा विभाग ने मुफ्त की बिजली का मजा लेने वालों को सबक सिखाने के लिए पुलिस के साथ कनेक्शन काटो अभियान चलाया। इसका जमकर विरोध हुआ। दोनों तरफ से पत्थरबाजी हुई। प्रदर्शनकारियों सहित कई पुलिसकर्मियों को पत्थर लगे। पुलिस को तीन राउंड आंसूगैस के गोले छोड़ने पड़े। कुछ समाजसेवियों ने हस्तक्षेप किया, तब दोपहर बाद मामला शांत हुआ। शहर के भर्रा और आसपास इलाके में पिछले तीन दिन से कनेक्शन काटने को लेकर छिटपुट घटनाएं हो रही थीं। लोगों द्वारा कनेक्शन काटने वाली टीम को दौड़ाया जा रहा था। शुक्रवार को नगर सेवा विभाग पुलिस दल के साथ कनेक्शन काटने पहुंचा। भर्रा बस्ती के लोग आमादा थे कि वे कनेक्शन नहीं काटने देंगे। इधर नगर सेवा विभाग पुलिस बल की मौजूदगी से अपने आपको सक्षम मान रहा था। बोकारो

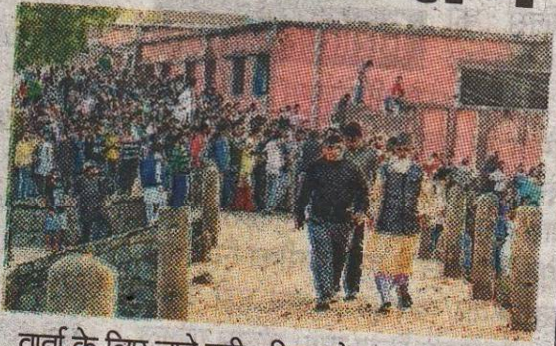

वार्ता के लिए जाते बड़ी मस्जिद के सदस्य अनवर।

निवास के पास संग्राम जैसी नौबत आ गई थी। इधर पुलिस अपने तामझाम के साथ तैयार थी और उधर लोग पत्थर लिए थे। भर्रा पुल के पास कनेक्शन काटने के विवाद को लेकर दोनों तरफ से पत्थरबाजी हुई। भीड़ हिंसक रूप लेती इससे पहले पुलिस ने आंसूगैस के गोल छोड़ दिए। नगर सेवा के महाप्रबंधक राजवीर सिंह का कहना है कि सात हजार से ज्यादा कनेक्शन काटे गए हैं। इससे प्रतिदिन 50 हजार के राजस्व का नुकसान होता था। अभियान रोका नहीं जाएगा।

विकास नगर से सिलसिला शुरू हुआ कनेक्शन काटने का, भर्रा से भागना पड़ गया पुलिस को

बसती गई बस्ती, तमाशा देखते रहे अधिकारी

सिटी रिपोर्टर | बोकारो

जब अपने शहर की अवैध कनेक्शन का फोड़ा हुआ, तब बीएसएल के कर्ताधर्ता ने ध्यान नहीं दिया। नासूर बना तो पुलिस बल लेकर पहुंचना पड़ा। गनीमत यह रही कि मामले ने ज्यादा तूल नहीं पकड़ा वरना ना जाने कितने लोग लहूलुहान हो जाते। कनेक्शन काटने की इस आपाधापी में भर्रा में पुलिस को भागना पड़ा। दो समाजसेवियों की इन्सानियत और सहिष्णुता रंग लाई। मामला निपट गया। भर्रा बस्ती अब अंधकार के आगोश में है।

अवैध कनेक्शन को लेकर नगर सेवा प्रशासन और लोगों के बीच विवाद चल रहा था। नतीजा यह निकला कि मंत्री और अधिकारियों के इलाके भी तीन दिन तक अंधेरे में डूबे रहे। शुक्रवार को नगर सेवा विभाग ने पुलिस की मदद ली। सुबह साढ़े आठ बजे विकास नगर से अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। भर्रा बस्ती के दो जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों ने एसपी से मिलने का समय मांगा, समय नहीं मिला। इसके बाद डीजीएम इलेक्ट्रिकल एनएन झा और डीजीएम सुरक्षा श्याम नारायण से दो दिन की मोहलत मांगी गई, कोई नतीजा नहीं निकला।

बोकारो के इतिहास में पहली बार काटे गए सात हजार कनेक्शन

मौके पर जमा लोगों की भीड़।

टाइम लाइन

9.00 बजे से सुबह से विकास नगर से बिजली के अवैध कनेक्शन काटने शुरू किए।

11:45 बजे तुपकी आवास के आसपास कनेक्शन काटे गए।

01:20 बजे तक औद्योगिक के पास कनेक्शन काटे जा रहे थे, तब विरोध का सामना करना पड़ा।

01:45 बजे बोकारो निवास के पास बस्ती में पहुंचते ही भर्रा के लोगों ने पथराव कर दिया। नतीजतन पुलिस को भागना पड़ा।

02:00 बजे बोकारो निवास के पास पुलिस और कनेक्शन काटने वाली टीम ने विश्राम कर भोजन किया, यहीं पर पुलिस के अधिकारियों ने रणनीति बनाई।

02:45 बजे दस्ता भर्रा बस्ती की पुल की ओर बढ़ा इसी दौरान उधर से भारी संख्या में लोग पत्थर लेकर दौड़े, पुलिस को पीछे हटना पड़ा।

02:55 बजे पुलिस को स्थिति संभालने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

03:00 स्थिति बिगड़ती देख बड़ी मस्जिद के सदस्य असगर अली और अनवर अली ने भीड़ को नियंत्रित किया और पुलिस से शांति की अपील की।

03:50 बजे सेक्टर पांच की विकास वाटिका टोली में अवैध कनेक्शन काटे गए।

04:30 बजे यूनियन बाजार में भी बड़ी संख्या में अवैध कनेक्शन काटे गए।

05: 45 बजे अवशेष पर कनेक्शन काटने के बाद अभियान रोक दिया गया।

करीब 250 पुलिसकर्मी तैनात थे

नगर सेवा प्रशासन को पता था कि मामला तूल पकड़ेगा इसलिए पुलिस की मदद ली गई। नगर की सेवा को 10 पुलिस की ओर से दो चार पहिया, दो बस और एक वैन लगाई गई थी। पुलिस की ओर से दो डीएसपी, एसडीओ व चार थानों की पुलिस अभियान में शामिल थी, इसमें करीब ढाई सौ पुलिस कर्मी मोर्चा संभाले हुए थे।

सेक्टर एक में कनेक्शन काटते कर्मचारी।

जमा कर तारों का बंडल ले जाते पुलिस जवान।

मामले ने ज्यादा तूल नहीं पकड़ा वरना ना जाने कितने लोग लहूलुहान हो जाते

आंसू गैस के गोले छोड़ लोगों को खदेड़ती पुलिस।

लोगों ने कहा

मौके पर मौजूद मो. याकूब, राजेश महतो, मो. अजय आदि ने कहा कि जब ये बस्तियां बस रही थीं, उस समय बीएसएल के नगर सेवा विभाग ने ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह निकला कि आबादी बढ़ती गई और अवैध कनेक्शन होते गए। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

हमारा अभियान जारी रहेगा

नगर प्रशासन के डीजीएम एनएन झा ने बताया कि सात हजार कनेक्शन काटने से लगभग 400 किलो वाट ऊर्जा की बचत होगी। पुलिस के साथ मिलकर आगे भी बिजली के अवैध कनेक्शन काटने का अभियान जारी रहेगा। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

पैसा लेकर कराई जाती बिजली चोरी

♦ बीएसएल को प्रतिवर्ष लगता करोड़ों रुपये का चूना, सेक्टरों में रहनेवाले लो वोल्टेज से परेशान, माफिया मालामाल

जासं, बोकारो : बीएसएल के सेक्टरों में मौजूद झुग्गी-झोपड़ी में माफियों के सहयोग से बिजली की चोरी करायी जाती है और बीएसएल प्रबंधन को करोड़ों रुपये का प्रतिवर्ष चूना लगाया जा रहा है। बिजली चोरी से सेक्टरों में रहने वाले लोग लो वोल्टेज की समस्या से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली माफिया मालामाल हो रहे हैं। नगर के दुंदीबाग बाजार व झुग्गी झोपड़ी में बिजली व पानी की चोरी आम बात हो गयी है। आलम यह है कि बिजली गुल रहने पर उनके यहां खाना भी नहीं बनता है। जब बिजली आती है तभी उनके यहां खाना बनता है। इसके अलावे झुग्गी झोपड़ी में बिचौलिया भी बिजली चोरी में सक्रिय हैं। बिचौलिया ही अवैध कनेक्शनधारियों से पैसे की वसूली कर विभाग तक पहुंचाते हैं।

झुग्गी-झोपड़ी में सारी सुविधा : सेक्टरों में बसे झुग्गी-झोपड़ी में भौतिक सुविधाओं की कमी नहीं है। बिजली से चलने वाले सारे उपकरण यहां मौजूद हैं। लोग जमकर इसका उपयोग करते हैं और बिजली का भार संयंत्र कर्मियों, लीज व लाइसेंस पर रहने वाले लोगों को भुगतना पड़ता है। इन्हें आवश्यकता से अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता है। वहीं झुग्गी झोपड़ी वाले बिना पैसा का बिजली व पानी का जमकर उपयोग करते हैं। वहीं कई सेक्टरों में लगे ट्रांसफार्मरों पर झुग्गी झोपड़ी वालों का कब्जा है। वहां से मोटे-मोटे केवल द्वारा बिजली अपने घर तक ले जाते हैं।

बीते तीन दिन से था तनाव

बिजली के अवैध कनेक्शन हटाने एवं उसके विरोध को लेकर तीन दिन से तनाव था। सेक्टर एक से सटे भर्रा गांव में बोकारो इस्पात की बिजली का कनेक्शन अवैध तरीके से ले जाया गया है। बकायदा पोल गाड़ कर खुलेआम अवैध कनेक्शन किया गया है। यह प्रक्रिया बीते पंद्रह वर्ष से जारी है। लेकिन कभी-कभार कुछ तार काटने के बाद फिर से ग्रामीण जोड़ लेते थे। इस बार जब बिजली का लोड बढ़ा और फीडर में खराबी आई तो प्रबंधन ने सेक्टर एक इलाके की पूरी बिजली ही काट दी।

इसके बाद सेक्टर एक इलाके के लोग लगभग 72 घंटे बिना बिजली के रहे। प्रबंधन को प्रशासन की ओर से भारी-भरकम पुलिस बल मुहैया कराया गया। इसके बाद कनेक्शन हटाने का काम हुआ लेकिन आज की घटना की पृष्ठभूमि तीन दिन पहले तैयार हो गई थी। जब कुछ इलाकों की बिजली काटी गई थी तब से भर्रा गांव के लोग विरोध कर रहे हैं।

2) **<u>Dainik Jagran, Dhanbad, 26th Dec 2015</u>**

अवैध कनेक्शन हटाने गई पुलिस पर पथराव

भर्रा गांव में पुलिस के साथ ग्रामीणों की झड़प, आंसू गैस के गोले दागे, लाठीचार्ज में आधा दर्जन से अधिक जख्मी

जागरण

आंसू गैस के गोले दागते व अवैध बिजली कनेक्शन को हटाते पुलिस के जवान।

जागरण संवाददाता, बोकारो : बोकारो इस्पात के सेक्टर एक और बोकारो निवास के समीप से भर्रा गांव में ले जाए गए अवैध विद्युत कनेक्शन को हटाने गई पुलिस व ग्रामीणों के बीच दोपहर लगभग तीन बजे झड़प हो गई। लगभग आधा घंटा तक दोनों ओर से पत्थरबाजी होती रही। इसके बाद पुलिस को भीड़ हटाने के लिए आंसू गैस का गोला छोड़ना पड़ा। इसी बीच ग्रामीणों की ओर कुछ समझदार लोगों ने मामले को बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस व भर्रा के लगभग आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए। बाद में मामला शांत हुआ और कनेक्शन हटाने के बाद बोकारो इस्पात व पुलिस के अधिकारी वहां से निकल गए। प्रबंधन के लोगों का कहना था कि ग्रामीण नगर में बिजली रहने के बावजूद मुफ्त में बिजली जलाने के लिए जबरन बोकारो इस्पात के खंभों से कनेक्शन ले लेते हैं। इससे नुकसान के साथ ट्रांसफार्मर जलने एवं फीडर में खराबी तक की समस्या आ रही है। कई बार समझाने के बाद भी भर्रा के ग्रामीण नहीं मान रहे हैं। अवैध विद्युत कनेक्शन हटाने का काम पूरे नगर में चलेगा। यहां के बाद बोकारो इस्पात के विद्युत विभाग ने पुलिस की मदद से सेक्टर बारह व दुंदीबाद में अवैध विद्युत कनेक्शन हटा दिया। इधर, दो दिन से बंद सेक्टर एक की बिजली आपूर्ति दोपहर में बहाल कर दी गई।

ग्रामीणों ने लगाया भेदभाव का आरोप : बोकारो इस्पात के विद्युत आपूर्ति व्यवस्था से जबरन बिजली लेने को सही ठहराते हुए ग्रामीणों का कहना है कि उनके पूर्वजों ने जमीन दी है। इसके बदले में उन्हें पानी व बिजली का भी अधिकार नहीं है। एक ओर नगर के आसपास झुग्गी-झोपड़ी में पैसा लेकर बिजली का कनेक्शन दिया गया। प्रबंधन वहां न बिजली का कनेक्शन हटाने का काम कर रहा है और न ही अतिक्रमण। केवल अल्पसंख्यक एवं विस्थापित बस्ती को निशाना बनाया जा रहा है। यदि प्रबंधन भर्रा व अतिक्रमणकारियों की बिजली काट दे तो भर्रा का एक व्यक्ति बिजली के खंभे के नजदीक तक नहीं जाएगा।

> कुमार गौरव को बतौर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया था। हल्का विरोध हुआ लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> अरुणा कुमारी, प्रभारी एसडीओ

दो बार टली, तीसरी बार हुई हिंसक झड़प

- सेक्टर वन सी से शुरू हुआ था अवैध विद्युत कनेक्शन हटाने का अभियान

जागरण

सेक्टर वन सी में तैनात डीएसपी मुख्यालय व अन्य।

जासं, बोकारो : अवैध विद्युत कनेक्शन हटाने का अभियान शुक्रवार की सुबह में सेक्टर वन सी से शुरू हुआ। इनकम टैक्स कार्यालय के आगे भीड़ जुटी और विरोध करने लगी। यहां मौजूद मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार और चास एसडीपीओ अजित कुमार सिन्हा को भीड़ में शामिल लोगों ने कहा कि वे विस्थापित हैं और कई वर्षों से विद्युत का उपयोग कर रहे हैं। दोनों अधिकारियों ने कहा कि पुलिस बोकारो इस्पात संयंत्र से वार्ता कराने को तैयार है। वार्ता में जो भी नतीजा आएगा उसका पालन किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों के समझाने पर भीड़ वापस चली गई। इसके बाद एसपी कार्यालय, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आवास के पास से होते हुए पुलिस बल संयंत्र की टीम के साथ संत जेवियर्स स्कूल के कैंपस के पास पहुंची। यहां पर पुलिस को विरोध का सामना करना पड़ा। बोकारो इस्पात संयंत्र का सुरक्षा दस्ता अवैध विद्युत कनेक्शन काट रहा था तो भर्रा की ओर जाने वाले विद्युत पोल को भी क्षतिग्रस्त कर रहा था। अचानक दर्जनों युवकों की भीड़ जुटी और पोल तोड़ने से मना करने लगी। बात बढ़ती देख पुलिस अफसर लोगों को समझाने लगे। उग्र भीड़ को यहां भी समझाने में पुलिस कामयाब रही। इसके बाद बोकारो निवास के पास से सटे अवैध कनेक्शन को हटाने का काम शुरू हुआ। यहीं पर भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने पुलिस वालों पर पत्थरबाजी कर दी और मामला बिगड़ गया।

अधिकारियों ने दिया सूझबूझ का परिचय

मुख्यालय डीएसपी व चास एसडीपीओ के अलावा सेक्टर चार व सिटी थाना इंचार्ज ने कई बार स्थिति को बिगड़ने से रोका तो उग्र भीड़ में शामिल कई लोग भी लगातार भीड़ को समझाते रहे और गलती न करने की अपील करते रहे। पत्थरबाजी व आंसू गैस के गोले दागने के अलावा लाठी चार्ज की कार्रवाई के बाद भी दोनों पक्षों ने काफी संयम का परिचय दिया।

> बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन की शिकायत पर अवैध तरीके से विद्युत ऊर्जा का उपयोग करने का एक मामला दर्ज किया [illegible] दंडाधिकारी की शिकायत पर पथराव के मामले में प्राथमिकी दर्ज होगी।
>
> [illegible], सिटी बोकारो

[illegible] लोगों को समझाते पुलिस अधिकारी व [illegible] युवकों को ले जाते जवान।

जागरण

3) **<u>Hindustan, Dhanbad, 26th Dec 2015</u>**

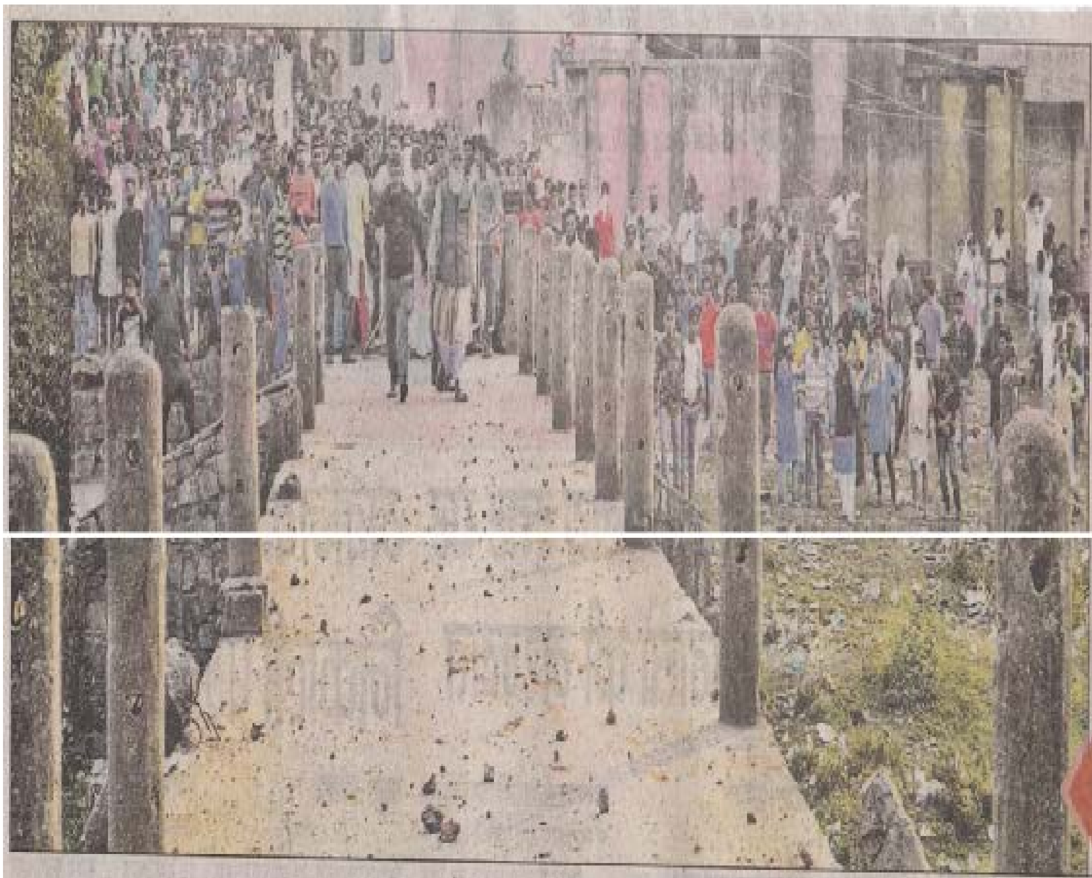

1000 घरों में अवैध कनेक्शन कटा

बोकारो में बिजली चोरी के खिलाफ शुक्रवार को जोरदार अभियान चलाया गया। सुबह छह बजे अधिकारियों व पुलिस की टीम पहुंची और कार्रवाई शुरू की। जिसका लोगों ने भी विरोध किया

फोटो: राजकुमार सिंह

मर्री, दुंदीबाग, सेक्टर 1 खटाल, विकास नगर, धोबी मुहल्ला में 12 घंटे तक चला बिजली चोरी के खिलाफ अभियान, लोगों का विरोध

बोकारो में बिजली चोरी के खिलाफ बिजली कनेक्शन काटने का बड़ा अभियान शुक्रवार को चलाया गया। अभियान में भारी संख्या में पुलिस बल को लगाया गया था। लोगों के घरों से जब बिजली कनेक्शन काटने का काम शुरू हुआ तो लोग भड़क गए। लोग पुलिस के खिलाफ एकजुट हो गए और पथराव शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आंसू गैस छोड़े और लाठियां भांजी।

बोकारो में बिजली काटने गई पुलिस पर पथराव, 12 घायल

बोकारो | प्रतिनिधि

बोकारो में बिजली चोरी के खिलाफ शुक्रवार को बड़ा अभियान चलाया गया। इस दौरान कार्रवाई से उग्र लोगों ने पुलिस पर जमकर पथराव किया, जिसमें 12 से अधिक जवान घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर हालात पर काबू पाया।

बीएसएल के आवेदन पर जिला प्रशासन और बोकारो पुलिस ने बीएसएल नगर प्रशासन और बिजली विभाग के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह 6 बजे से

06 बजे सुबह बिजली चोरी के खिलाफ अभियान की शुरुआत हुई

02 सौ से अधिक पुलिस जवान मजिस्ट्रेट के साथ शामिल थे अभियान में

12 घंटे के अभियान में 60 पोल तोड़े, दो ट्रक हाइटेंशन तार जब्त

तनाव

- बिजली काटो अभियान से भड़के लोगों ने भर्रा में पुलिस जवानों पर किया पथराव
- पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर हालात पर काबू पाया, स्थिति तनावपूर्ण
- आरोपियों पर एफआइआर की तैयारी में बीएसएल प्रबंधन
- अभियान से बोकारो के हजारों परिवार प्रभावित

अवैध बिजली कनेक्शन काटने का अभियान शुरू किया, जो 12 घंटे तक चला। अभियान में मजिस्ट्रेट और डीएसपी के नेतृत्व में जिला सशस्त्र बल, सैट की 2 कंपनी समेत होमगार्ड के 200 जवानों को लगाया गया था। अभियान में वाटर कैनन मशीन और आंसू गैस के गोलों का भी इस्तेमाल किया गया। अभियान के दौरान भर्रा और दुंदीबाग में लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। भर्रा में अभियान के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसमें 12 जवान घायल हो गए। घायल जवानों को प्राथमिक उपचार के लिए बीजीएच भेजा गया । अभियान में एक हजार अवैध बिजली कनेक्शन काटे गए। 60 पोल तोड़े गए और दो ट्रक हाइटेंशन तार को काट कर जब्त कर लिया गया। अभियान से हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। बीएसएल के पीआरओ सोनी कुमारी के अनुसार आरोपियों को चिह्नित कर प्रबंधन मुकदमा करेगा। देखें पेज 06

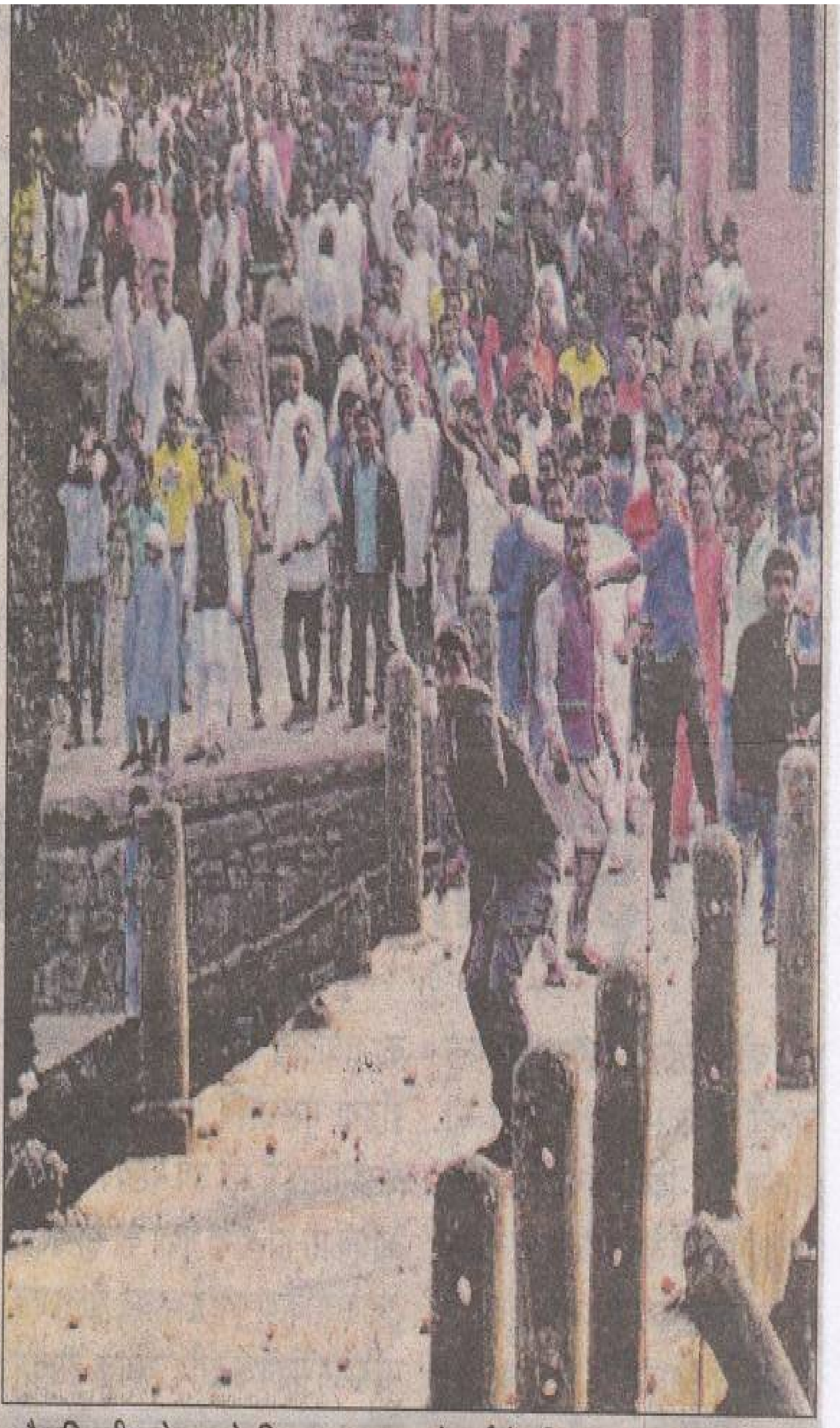

अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ शुक्रवार को भर्रा में पुलिस पर पथराव करती भीड़।

10 हजार घरों में जलती थी चोरी की बिजली

बोकारो | विजय कुमार

12 घंटे तक शुक्रवार [illegible] बिजली चोरी कनेक्शन काटने का अभियान चलाया गया। सेक्टर-1 से शुरू होते हुए [illegible] के अवैध कनेक्शन को हटाया गया। डीएसपी सुनील कुमार, डीएसपी अरविंद सिन्हा, सेक्टर 4 इंस्पेक्टर [illegible] और सिटी इंस्पेक्टर [illegible] के [illegible] अभियान के बीच [illegible] पथराव किया गया।

अभियान के क्रम में अवैध रूप से गाड़े गए 60 बिजली के पोल को तोड़ा गया। [illegible] बिजली बोर्ड या फिर बीएसएल बिजली विभाग [illegible] करती है। [illegible]

75 मेगावाट बिजली चोरी

आंकड़े बताते हैं कि बीएसएल के 75 मेगावाट बिजली की हर रोज चोरी होती है। जिसकी लागत लाखों में होती है। बीएसएल की संयुक्त उपक्रम बीपीएससीएल लगभग 60 मेगावाट बिजली का उत्पादन करती है। जरूरत की बाकी बिजली बीएसएल डीवीसी से खरीदती है।

जबकि बीएसएल संयंत्र और आवासीय कॉलोनी के लिए प्रबंधन को 110 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है। अवैध कनेक्शन के बाद बीएसएल कर 185 मेगावाट बिजली का खपत है। बिजली की खपत अनिधिकृत कॉलोनियों के कारण लगातार बढ़ता जा रहा है।

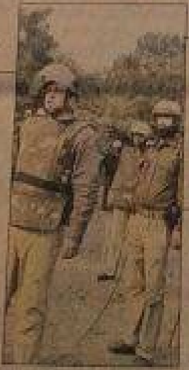

बोकारो में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान के दौरान तैनात जवान।

संयंत्र पर बढ़ने लगा खतरा

अतिक्रमित कॉलोनी में लगातार बढ़ रहे अवैध बिजली कनेक्शन के कारण संयंत्र पर लोड शेडिंग का खतरा बढ़ता जा रहा था। दबाव इतना बढ़ा कि बीएसएल की आवासीय कॉलोनी की बिजली काटनी पड़ी। जिसके कारण बीएसएल के कामगारों को कई दिनों तक अंधेरे में रहना पड़ा।

कहीं आई बिजली तो कहीं छाया अंधेरा

बिजली के अवैध कनेक्शन के कारण सेक्टर-1, कैम्प-2 और जिला मुख्यालय के सभी कार्यालय में 100 घंटे से भी अधिक समय से अंधेरा पसरा हुआ था। जहां अभियान के बाद अब बिजली चालू हो गई है। वहीं चर्च, विकास नगर, दुंदीबाद, शिमला कॉलोनी समेत गरगा नदी के किनारे बसे दर्जनों बस्ती के हजारों घरों में अंधेरा छा गया है।

साहब के घर अंधेरे पर अभियान

बीएसएल आवासीय कॉलोनी में बिजली के अवैध कनेक्शन का आलम नहीं पूछना है। परन्तु इतना बड़ा अभियान तब चलाया गया। जब [illegible] कॉलोनियों में बिजली संकट गहराया। बिजली संकट से डीसी, एसपी और बीएसएल के बड़े अधिकारी प्रभावित हो रहे थे। मजदूरों की कॉलोनी के अवैध कनेक्शन की ओर प्रबंधन का ध्यान कभी नहीं जाता है।

06:00

बजे सुबह डीएसपी और थाना प्रभारी [illegible] 7.50 बजे सेक्टर 1 विकास नगर पुलिस फोर्स पहुंची।

08:05

बजे बीएसएल सुरक्षा, टीम के अधिकारी पहुंचे वहीं बीएसएल बिजली विभाग के कर्मी उपकरण के साथ आए।

09:15

बजे विकास नगर और बस्ती की घेराबंदी की गई। अभियान शुरू होते ही लोगों ने किया विरोध।

01:10

बजे संत जेवियर्स के बगल से घरों जाने वाले कनेक्शन को हटाया गया वहीं 01.30 बजे गरगा पर बस्ती की ओर से विरोध में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

02:15

बजे दोपहर पुलिस फोर्स पर बोकारो निवास के सामने खाली स्थान पथराव शुरू हुआ।

02:35

बजे पुलिस फोर्स का जवाबी हमला और आंसू गैस की बौछार हुई एवं 03.05बजे घरों के बुजुर्ग पुलिस फोर्स और लोगों के बीच समझौते को आ खड़े हुए।

चोरी का केस नहीं करता प्रबंधन

बीएसएल के बिजली का अवैध कनेक्शन से [illegible] कई क्वार्टरों में भी जा रही है। परन्तु प्रबंधकीय सुस्ती के वजह से अवैध कनेक्शन का दायरा बढ़ता गया। इसका मुख्य कारण है कि बीएसएल प्रबंधन बिजली चोरी का केस करने से हिचकती है। अगर चोरी करने वालों के खिलाफ कांड दर्ज हो तो पुलिस अपनी कार्रवाई पूरी कर पाएगी और बिजली की चोरी रुकेगी।

शुक्रवार को बोकारो के सेक्टर वन-सी विकास नगर में शुक्रवार बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में लोगों को समझाते डीएसपी सुनील कुमार।

शुक्रवार को बिजली चोरी के खिलाफ चले अभियान के दौरान उग्र लोग। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने किया टीयर गैस का इस्तेमाल।

बुजुर्ग की समझदारी से टला हादसा

दोपहर बाद जब पुलिस फोर्स पर पथराव किया गया तो पुलिस फोर्स की ओर से पहले तो बचाव किया गया। भीड़ को उग्र होता देख फोर्स ने भी जवाबी हमला शुरू कर दिया। आंसू गैस के गोले की बौछार शुरू कर दी गई। स्थिति अनियंत्रित होते देख घरों के एक बुजुर्ग लोगों और फोर्स के बीच आ खड़े हुए। दोनों पक्ष से आग्रह कर होने वाले हादसे को टाल दिया। बुजुर्ग की समझदारी से बड़ा हादसा टल गया। फोर्स का नेतृत्व कर रहे डीएसपी अरविंद सिन्हा और सुनील कुमार ने भी संयम से काम लिया।

पुलिस बल के खाना खाने के दौरान हुआ पथराव

संवाददाता, बोकारो

बोकारो निवास के पास अवैध बिजली कनेक्शन काटने का अभियान समाप्त कर पुलिस बल के जवान जब खाना खा रहे थे, इसी दौरान भर्रा की तरफ से आये दर्जनों की भीड़ ने पुलिस बल पर अचानक पथराव कर दिया. पथराव में कुछ पुलिस कर्मी मामूली रूप से जख्मी भी हुये. जान जोखिम में पड़ता देख पुलिस बल ने आंसू गैस के चार गोले दागे. हल्का लाठी चार्ज भी किया गया. इसके बाद भीड़ तितर-बितर हुई. इसके बाद पुलिस बल आशा लता विकलांग केंद्र के पास गयी. सेक्टर पांच स्थित मोची मुहल्ला व अन्य झोपड़ पट्टी का सैकड़ों कनेक्शन काटा. शाम चार बजे बीएसएल का काफिला पुलिस बल के साथ दुंदीबाग बाजार पहुंचा. वहां भी सैकड़ों अवैध कनेक्शन को काट कर तार जब्त किया गया.

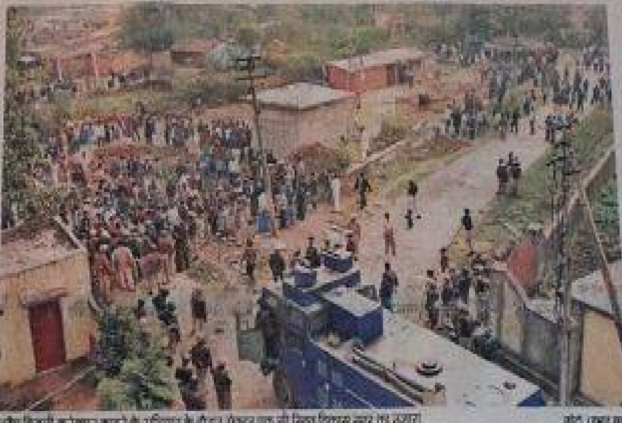

अवैध बिजली कनेक्शन काटने के अभियान के दौरान सेक्टर एक सी स्थित विकास नगर का नजारा. फोटो: [illegible]

हजारों मीटर विद्युत तार जब्त, पोल तोड़ा

सेक्टर एक सी से जुड़े विकास नगर, मोची मुहल्ला का भी अवैध कनेक्शन काटा गया. अवैध कनेक्शन काटने के बाद हजारों मीटर तार भी जब्त किया गया. विकास नगर के बाद बीएसएल का काफिला एसपी आवास के पास कश्मीर कॉलोनी पहुंचा. यहां भी टोका फंसा कर लिये गये सैकड़ों आवास का कनेक्शन काट कर हजारों मीटर तार जब्त किया गया. इस इलाके में अवैध तरीके से लगाये गये दर्जनों बिजली पोल को भी गिरा नष्ट कर दिया गया. कश्मीर कॉलोनी के बाद संत जेवियर्स स्कूल के गेट पर प्रशासन का काफिला पहुंचा. यहां अवैध तरीके से बिजली पोल लगा कर भर्रा बस्ती में कनेक्शन किया गया था. तार काटने के बाद जब बीएसएल प्रबंधन ने कुछ पोल तोड़ तो भर्रा के सैकड़ों लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध किया. लोगों के विरोध के बीच बिजली कनेक्शन काट कर बीएसएल की टीम बोकारो निवास पहुंची.

लगातार जारी रहेगा अभियान

बीएसएल के अनुसार, शहर में फिलहाल अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा. शहर में बढ़ रहे अवैध कनेक्शन के कारण बीएसएल को प्रति माह करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है. बढ़ रहे बिजली बोझ के कारण 132 केवी कारखाना बार-बार ठप हो जा रहा है. अभियान के दौरान कई लोगों ने पहले ही अपना अवैध टोका वाला तार निकाल लिया था.

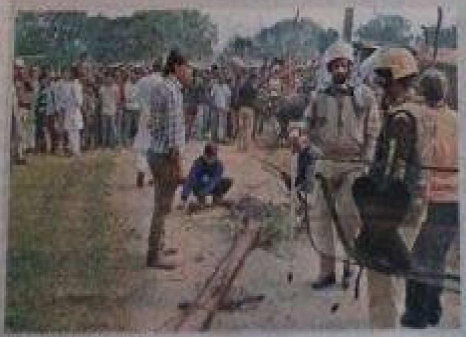

अभियान के दौरान तोड़ा गया पोल

विस्थापित क्षेत्र को सुविधा नहीं दे रहा बीएसएल

भर्रा के लोगों का कहना था कि ये लोग बोकारो इस्पात संयंत्र के कारण विस्थापित हुए हैं. नियम के अनुसार, विस्थापित क्षेत्र में बीएसएल को बिजली, पानी व सड़क की व्यवस्था करनी है. बीएसएल उनके साथ अन्याय कर रहा है. विस्थापित क्षेत्र में कोई सुविधा प्रदान नहीं की गयी है. किसी तरह उनलोगों ने बिजली ली है. यह गलत नहीं है. बीएसएल को कई बार भर्रा में मीटर लगा कर वैध कनेक्शन देने की मांग की गयी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी. पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाया कि इस मुद्दे पर उनलोगों की वार्ता बीएसएल प्रबंधन से करायी जायेगी. फिलहाल वह अभियान का विरोध न करें. इसके बाद सेक्टर एक सी से भर्रा बस्ती पोल लगा कर लिये गये कनेक्शन को काटा गया.

अपना तार-बांस समेटते लोग

सफलता पूर्वक चला अभियान

सेक्टर 12 मोड़ पर लगा जाम और आक्रोशित लोगों को समझाते पुलिस कर्मी व दंडाधिकारी

अभियान को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार, एसडीपीओ चास अरविंद कुमार सिन्हा, न्यायालय विभाग में कार्यरत जिला प्रशासन के दंडाधिकारी गौरव कुमार की भूमिका मुख्य रही. एसपी वाइरलेस व मोबाइल पर क्षण पल-पल की खबर ले रहे थे. अभियान में बीएस सिटी थानेदार नागेश्वर प्रसाद सिंह, सेक्टर चार थानेदार अखिलेश कुमार मिश्रा, सेक्टर छह थानेदार परमेश्वर तिवारी, हरला थानेदार त्रिपुरारी नारायण झा सहित शहर के सभी थाना की पुलिस, होमगार्ड के जवान सहित सैकड़ों की संख्या में सुरक्षा बल मौजूद थे.

4) **Prabhat Khabar, Dhanbad, 26th Dec 2015**

अवैध बिजली कनेक्शन के विरोध में बीएसएल ने चलाया अभियान

पुलिस बल पर पथराव, लाठी चार्ज

- भर्रा बस्ती, विकास नगर, दुंदीबाग समेत दर्जनों बस्तियों का अवैध कनेक्शन कटा

संवाददाता, बोकारो

बोकारो निवास के पास भर्रा पुल पर आंसू गैस छोड़ती पुलिस और विकास नगर में लाठी-डंडा से लैस युवक. (देखें पेज तीन भी)

बोकारो इस्पात प्रबंधन ने जिला प्रशासन व पुलिस बल के सहयोग से शुक्रवार को दिन भर अवैध बिजली कनेक्शन के खिलाफ अभियान चलाया. इस दौरान अभियान के खिलाफ लोगों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया. बचाव में पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठी चार्ज करना पड़ा.

क्या है मामला : अवैध बिजली कनेक्शन के बढ़ते दबाव के कारण बीएसएल प्रबंधन ने गत तीन दिनों से शहर की सबसे वीआइपी कॉलोनी सेक्टर एक सी व इसके आस-पास के क्षेत्रों में बिजली कनेक्शन काट दिया था. शुक्रवार को सफलता पूर्वक चले इस अभियान के बाद सेक्टर एक सी व इसके आस-पास इलाकों में विद्युत आपूर्ति बहाल की गयी है. बोकारो निवास के पास चास के भर्रा बस्ती का अवैध कनेक्शन काटने के दौरान भर्रा के कुछ युवकों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया. उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस ने चार राउंड आंसू गैस के गोले दागे. हल्का बल प्रयोग किया और लाठी चार्ज भी किया. इसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई.

शेष पेज 12 पर

पुलिस बल पर...

विकास नगर में लोगों ने किया विरोध : शुक्रवार की सुबह बीएसएल बिजली विभाग की टीम सैकड़ों सुरक्षा बल, पुलिस व दंडाधिकारी के साथ दर्जनों वाहनों के काफिला पर सवार होकर सबसे पहले सेक्टर एक सी विकास नगर पहुंची. यहां पहले से भर्रा बस्ती व विकास नगर के लोग लाठी-डंडा व अन्य घातक हथियारों से लैस होकर मौजूद थे. उक्त लोगों ने प्रशासन के इस अभियान का विरोध किया. मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार, चास एसडीपीओ अरविंद कुमार सिन्हा व प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी गौरव कुमार ने आक्रोशित लोगों से बातचीत कर समझाया.

5) **<u>Aaj, Dhanbad, 26th Dec. 2015</u>**

अवैध विद्युत संबंध विच्छेद का विरोध, प्रशासन ने छोड़े आंसू गैस के गोले

मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारी व अन्य।

अवैध विद्युत संबंध विच्छेद करते कर्मी।

6) **Ranchi Express, 26th Dec. 2015**

अवैध बिजली काटने पर भारी हंगामा

पुलिस पर पथराव, छोड़ी गयी आंसू-गैस, डीएसपी समेत कई घायल

बोकारो, 25 दिसम्बर (रां.ए.सं.) : बोकारो में 'चोरी और सीनाजोरी' वाली कहावत को बगल के भर्रा बस्ती वाले कुछ उपद्रवी लोग बिल्कुल चरितार्थ कर रहे हैं। ये लोग सीनाजोरी के साथ बोकारो स्टील प्लांट की बिजली का उपभोग अवैध रूप से वर्षों से कर रहे हैं। पर जब बोकारो प्रबंधन ने सख्ती दिखाई तो ये पुलिस और होमगार्ड के जवानों पर ही आज टूट पड़े। नगर के बोकारो निवास के पास जब दंडाधिकारी की मौजूदगी में अवैध बिजली कनेक्शन काटे जा रहे थे तो भर्रा बस्ती के कुछ शरारती लोगों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया। इसके बाद वहां भगदड़ मच गयी। बाद में पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पथराव की घटना में मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार सहित लगभग आधा दर्जन जवानों के घायल होने की खबर है।

घंटों की मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। पुलिस ने आज नगर के विकासनगर, कैम्प-2, आशालता विकास केन्द्र के पास, दुंदीबाद हाट, नयामोड़, सरदार मुहल्ला सहित अन्य कई जगहों मे भी अवैध बिजली कनेक्शन हटाये। उल्लेखनीय है कि नगर के सेक्टर-1 के कई इलाकों में पिछले चार दिनों से अंधेरा छाया है। चार दिन पूर्व जब सेक्टर-1 से भर्रा बस्ती को जोड़ने वाले पुल के समीप बोकारो स्टील के सुरक्षाकर्मियों ने वहां के ट्रांसफर्मर में अवैध रूप से जोड़े गए बिजली कनेक्शन को हटाया तो भर्रा बस्ती के सैकड़ों लोगों ने जवानों पर भारी पथराव कर उन्हें खदेड़ दिया और फिर से बिजली के तार जोड़ लिए। लेकिन प्रबंधन की ओर से बिजली की आपूर्ति शुरू नहीं की गई। बोकारो प्रबंधन ने जिला प्रशासन से सहयोग मांगा। इस तरह चार दिन बीत गए और पुलिस अधीक्षक व एसडीओ के आवास सहित पूरे सेक्टर में अंधेरा छाया रहा। अंततः प्रशासन ने दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया और उनकी उपस्थिति में आज अवैध बिजली कनेक्शन हटाने की कार्रवाई हुई। इसी दौरान पुलिस बल पर पथराव हुए। समाचार लिखे जाने तक किसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने की सूचना नहीं है।

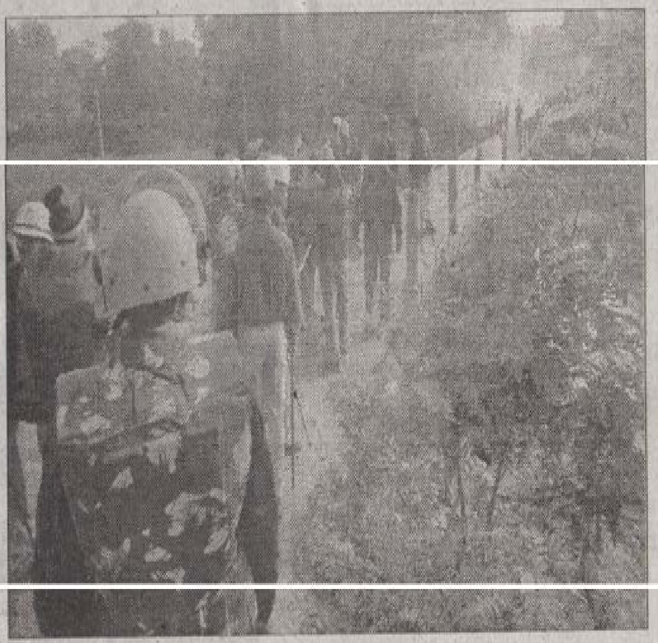

भर्रा बस्ती के पास उपद्रवियों को खदेड़ती पुलिस। छाया : दीपक झा

अमन-चैन के दुश्मन हैं उपद्रवी - डीएसपी : बोकारो के मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार ने पुलिस बल के जवानों पर पत्थरबाजी करने वाले उपद्रवियों को अमन-चैन का दुश्मन बताया है। घटना के सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि अवैध बिजली तार हटाने के विरोध में भर्रा बस्ती के कई लोग वहां आये थे, जिन्हें समझाया गया कि उन्हें जो भी वार्ता करनी है, बोकारो इस्पात प्रबंधन से करें। उनमें से कुछ लोगों ने बिजली के खम्भे को नहीं तोड़ने का आग्रह किया। बातचीत चल ही रही थी कि अचानक उनमें मौजूद कुछ उपद्रवी तत्वों ने पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई जवान घायल हुए। बारंबर समझाने के बावजूद वे नहीं माने, रोड़ेबाजी करते रहे। अन्ततः उन्हें भगाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का प्रयोग किया।

7) <u>Sanmarg, 25th Dec 2015</u>

बिजली कनेक्शन काटने पर हंगामा

पुलिस पर पथराव, छोड़ी गयी आंसू गैस, डीएसपी समेत कई घायल

संवाददाता

बोकारो: बोकारो में चोरी और सीनाजोरी वाली कहावत को बगल के भर्रा बस्ती वाले कुछ उपद्रवी लोग बिल्कुल चरितार्थ कर रहे हैं। ये लोग सीनाजोरी के साथ बोकारो स्टील प्लांट की बिजली का उपभोग अवैध रूप से वर्षों से कर रहे हैं। पर जब बोकारो प्रबंधन ने सख्ती दिखाई तो ये पुलिस और होमगार्ड के जवानों पर ही आज टूट पड़े। नगर के बोकारो निवास के पास जब दंडाधिकारी की मौजूदी में अवैध बिजली कनेक्शन काटे जा रहे थे तो भर्रा बस्ती के कुछ शरारती लोगों ने पुलिस बल पर पथराव कर दिया। इसके बाद वहां भगदड़ मच गयी। बाद में पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पथराव की घटना में मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार सहित लगभग आधा दर्जन जवानों के घायल होने की खबर है। घंटों की मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। पुलिस ने आज नगर के विकासनगर, कैम्प-2, आषालता विकास केन्द्र के पास, दुंदीबाद हाट, नयामोड़, सरदार मुहल्ला सहित अन्य कई जगहों से भी अवैध बिजली कनेक्शन हटाये। उल्लेखनीय है कि नगर के सेक्टर-1 के कई इलाकों में पिछले चार दिनों से अंधेरा छाया है। चार दिन पूर्व जब सेक्टर-1 से भर्रा बस्ती को जोड़ने वाले पुल के समीप बोकारो स्टील के सुरक्षाकर्मियों ने वहां के ट्रांसफर्मर में अवैध रूप से जोड़े गए बिजली कनेक्शन को हटाया तो भर्रा बस्ती के सैकड़ों लोगों ने जवानों पर भारी पथराव कर उन्हें खदेड़ दिया और फिर से बिजली के तार जोड़ लिए। लेकिन प्रबंधन की ओर से बिजली की आपूर्ति शुरू नहीं की गई। बोकारो प्रबंधन ने जिला प्रशासन से सहयोग मांगा। इस तरह चार दिन बीत गए और पुलिस अधीक्षक व एसडीओ के आवास सहित पूरे सेक्टर में अंधेरा छाया रहा। अंततः प्रशासन ने दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया और उनकी उपस्थिति में आज अवैध बिजली कनेक्शन हटाने की कार्रवाई हुई। इसी दौरान पुलिस बल पर पथराव हुए। समाचार लिखे जाने तक किसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने की सूचना नहीं है।

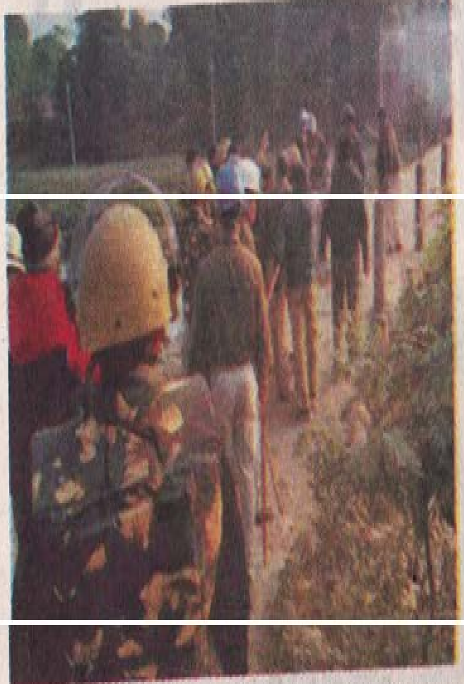

अमन-चैन के दुश्मन हैं उपद्रवी : डीएसपी

बोकारो के मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार ने पुलिस बल के जवानों पर पत्थरबाजी करने वाले उपद्रवियों को अमन-चैन का दुश्मन बताया है। घटना के सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि अवैध बिजली तार हटाने के विरोध में भर्रा बस्ती के कई लोग वहां आये थे, जिन्हें समझाया गया कि उन्हें जो भी वार्ता करनी है, बोकारो इस्पात प्रबंधन से करें। उनमें से कुछ लोगों ने बिजली के खम्भे को नहीं तोड़ने का आग्रह किया। बातचीत चल ही रही थी कि अचानक उनमें मौजूद कुछ उपद्रवी तत्वों ने पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई जवान घायल हुए। बारंबर समझाने के बावजूद वे नहीं माने, रोड़ेबाजी करते रहे। अन्ततः उन्हें भगाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का प्रयोग किया।

8) **Hindustan Times, 26th Dec 2015**

BSL starts drive against illegal power connections

Police deployed during the drive in Bokaro on Friday. KRISHNA/HT

Sanjay Sahay

Sanjay.sahay@hindustantimes.com

BOKARO: Six police personnel were injured when villagers pelted stones during a drive started by Bokaro steel plant (BSL) against illegal power connections at Bharra village in the district on Friday.

A large number of police along with anti-riot vehicles were engaged in the drive. Large groups carrying lathi and other weapons faced the security forces and argued against the drive saying they had right to take power from BSL.

The police and the BSL administration removed thousands of connections from sector-IC, sector-1B Bokaro Niwas, Dundibag and other areas.

"They were stealing power in an organised manner. They had put up poles at several places and were also selling and distributing power to others. It is the failure of BSL that they were allowed to draw power in such manner," said Sunil Kumar, DSP, headquarters, who led the police team.

BSL general manager (town administration) Rajbir Singh said that a large number of people of Bharra had drawn illegal power connection from BSL supply line for the past few years. They had put up poles and also used trees to draw the lines.

"They added extra connections in the recent past leading to tripping of the system and burning of transformers due to overload," Singh said.

BSL removed power connection on December 21 but locals again linked up their houses with supply line.

The management reduced its supply system as the overload could have led to a blast. BSL sought help from the administration for removing the illegal connections.

BSL public relations officer Soni Kumari said that the administration cooperated in the drive. "It was successful," she said.

9) **The Times of India, 26th Dec 2015**

Bokaro cops start drive against power theft

Divy Khare

Bokaro: A joint team of the district police and Bokaro Steel (BSL) on Friday launched a drive to curb power theft in the town's upscale colony of Sector I.

Power theft has become a cause for concern for the authorities for the past several years now. The squatters living in the area source electricity illegally causing voltage problems for genuine consumers. "The police personnel charged few rounds of tear gas to disperse the mob after agitators pelted stones at them in protest against the drive near Bokaro Niwas. Few policemen and BSL guards sustained injuries," said Arvind Kumar Sinha, DSP, Chas, who was heading the drive.

Police dismantle an illegal wiring at Sector I in Bokaro on Friday

The locality, which has high-profile residents like revenue minister Amar Bauri, JMM supremo Shibu Soren and top police officials, remained in darkness for the past 48 hours following power cuts due to illegal tapping of wires. Power theft increases load on transformers. No electricity in the houses of state minister and Soren besides SP, judicial magistrates and others officials bagged huge concern of authorities who decided to launch a drive.

A BSL officer said, "These people have tapped wires through the poles from which electricity is distributed. Despite repeated efforts, the residents of Bahrra Basti and squatters on BSL land steal electricity connecting wires illegally".

The team of DGM (Security), BSL, Ajit Kumar demolished three illegal electricity poles and seized several hundred meter wires in a farmland situated closed to Shibu Soren residence. Soren used to visit this farmland whenever he comes to Bokaro. Similarly there were illegal tapping removed from the poles in front of commandants and top state government and BSL officials.

10) Dainik Bhaskar, Dhanbad 27th Dec 2015

कनेक्शन कटने के बाद भर्रा में अंधेरा

परीक्षा के मौसम में बच्चों की पढ़ाई बाधित, मोमबत्ती जलाकर कर रहे तैयारी

बोकारो | अवैध बिजली कनेक्शन काटे जाने के बाद भर्रा बस्ती में अंधेरा छाया हुआ है। प्रबंधन का कहना है कि भर्रा बस्ती राज्य सरकार के अधीन आता है। वहां जेएसईबी की बिजली होनी चाहिए, पर जबरदस्ती बीएसएल की बिजली जला रहे थे। वहां पर झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड का 200 केवी का ट्रांसफॉर्मर भी लगा है, जो 17 वर्ष पहले ही जल गया।

उसके बाद से बना ही नहीं, कारण उस पर आवश्यकता से अधिक लोड होना था। बोकारो के डीसी राय महिमापत रे ने प्रबंधन और जेएसईबी के अधिकारियों से बातचीत कर समस्या का हल निकालने का आश्वासन दिया।

क्या कहा लोगों ने | इलाके के लोगों में भारी आक्रोश

प्रबंधन से बातचीत का भरोसा : नईमुद्दीन अंसारी ने बताया कि बिजली, पानी की समस्या को लेकर उपायुक्त से मुलाकात की। उपायुक्त ने प्रबंधन से बातचीत कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

मूलभूत सुविधाएं भी छिन ली : कुतबुद्दीन अंसारी ने बताया कि उन्हें विस्थापित करते समय प्रबंधन ने बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन सुविधाएं नहीं मिली।

भविष्य भी डूबा अंधकार में : गुलाम जिलानी ने बताया कि बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। चार दिन से तो रात में बच्चे पढ़ ही नहीं रहे हैं। फाइनल परीक्षा फरवरी में होने वाली है। बच्चों का भविष्य खतरे में है।

रखना होगा ध्यान : अब्दुल रहीम ने बताया कि प्रबंधन को शर्त के अनुसार बिजली, पानी सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया करानी होगी।

विस्थापितों के लिए नीति बनी है : हाजी शब्बीर हुसैन ने बताया कि विस्थापितों के लिए नीति बनाई गई है। उस नीति के अनुसार बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं तो मिलनी चाहिए पर अभी तक इन सुविधाओं से वंचित रखा गया है।

पढ़ाई नहीं हो पा रही है : इमरान ने बताया कि इंटर की वार्षिक परीक्षा है। बिजली नहीं रहने से पढ़ाई नहीं हो रही है।

वायदे को पूरा करे प्रबंधन : हाजी गुलाम अंसारी ने बताया कि प्रबंधन विस्थापितों की ओर भी ध्यान दे। संयंत्र बनते समय जमीन भी ले ली, अब बिजली, पानी भी छिन रहा है।

पढ़ाई बाधित हो गई है : अमीर हुसैन ने बताया कि बिजली कटने का सबसे ज्यादा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। मोमबत्ती में ज्यादा देर बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं।

पुनर्वास नीति का नहीं हुआ पालन : हसमत अली ने बताया कि पुनर्वास नीति तो बनी, पर आज तक उसका पालन नहीं हो सका है। अब तो बुनियादी सुविधाएं भी छिन ली गई हैं।

चार दिन से पढ़ाई बंद है : जियाउल हक ने बताया कि चार दिनों से तो बिजली गुल रहने के कारण पढ़ ही नहीं पा रहे हैं। इंटर की फाइनल परीक्षा सिर पर है।

11) **Hindustan, Dhanbad, 27th Dec 2015**

भर्रा में पत्थरबाजी मामले में केस

बोकारो। बिजली का अवैध कनेक्शन कटवा रही पुलिस फोर्स पर भर्रा के समीपहुए पथरवाजी के मामले में सेक्टर छह पुलिस ने 5 नामजदअभियुकतों समेत 1 हजार अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करअनुसंधान शुरू कर दिया है।

कांड मौके पर प्रतिनियुक्तदंडाधिकारी गौरव कुमार के शिकायत प्रतिवेदन के आधार परदर्ज किया गया है। बीएसएल प्रबंधन के आग्रह पर जिला प्रशासनव बोकारो पुलिस के सहयोग से शुक्रवार को 12 घंटे का बड़ाअभियान चलाया गया था। जिसमें 200 पुलिस फोर्स के सहयोग सेबीएसएल बिजली विभाग की टीम ने अवैध कनेक्शन को हटाने काकाम किया। इस क्रम में खाना खा रही पुलिस फोर्स पर बोकारोनिवास के समीप भर्रा की ओर से पथरवाजी शरू कर दी गई जिसमेंएक दर्जन पुलिस जवानों और अधिकारियों को चोट आई थी।

12) **<u>Dainik Jagran, Dhanbad, 28th Dec 2015</u>**

भर्रावासियों को मिलेगी बिजली

बोकारो : भर्रा वासियों को बोकारो इस्पात की बिजली की चोरी नहीं करनी होगी। सोमवार से राज्य विद्युत बोर्ड कैंप लगाकर ऐसे इलाकों में बिजली का कनेक्शन देगा जहां बोकारो इस्पात की बिजली की चोरी हो रही है। इसके लिए बिजली विभाग ने अपनी तेयारी पूरी कर ली है। कनेक्शन लेनेवाले लोगों को तत्काल कनेक्शन दिया जाएगा। इसके बावजूद यदि कोई बिजली का कनेक्शन न लेकर बोकारो इस्पात या झारखंड सरकार की बिजली की चोरी करता है तो उस पर बिजली चोरी का मुकदमा भी दर्ज होगा।